>

Title: Need to upgrade the road between Maheshkhunt in district Khagaria to Deoghar, Jharkhand via Agwani-Sultanganj Ghat as a National Highway.

श्री दिनेश चन्द्र यादव (खगड़िया): बिहार राज्य अंतर्गत खगड़िया एवं भागलपुर जिला को विभक्त करने वाली गंगा नदी पर आगवानी-सुल्तानगंज घाट का धार्मिक महत्व है। यह ऐतिहासिक तीर्थ स्थल भी है। यहां अजगेबी नाथ का मंदिर है। यहां गंगा नदी दक्षिण से उत्तर (उत्तरायण) दिशा में बहती है। इसकी पूसिद्धि के कारण यहां से सावन महीने में प्रति दिन लाखों कांवरिये सुल्तानगंज घाट से गंगा जल भर कर ज्योतिर्लिंग देवघर के मंदिर में जल चढ़ाते हैं। इन शृद्धालुओं में हिन्दुस्तान के भिन्न-भिन्न प्रदेशों के अलावा बड़ी संख्या में नेपाल देश के भी शृद्धालु आते हैं। ऐसी मान्यता है कि पौराणिक काल में रावण ने भी सुल्तानगंज घाट से गंगा जल लेकर ज्योतिर्लिंग देवघर में जलाभिषेक किया था।

अगवानी-सुल्तानगंज घाट, राष्ट्रीय राज्य मार्ग में जुड़ी नहीं रहने एवं गंगा नदी पर पुल नहीं रहने से करोड़ों लोगों को आने-जाने में भारी दिक्कत का सामना करना पड़ता है। अगवानी घाट से 27 कि.मी. की दूरी पर महेशखुंट एन.एच. 107 शुरू होकर एन.एच. 106 होते हुए ईस्ट वेस्ट कोरिडोर से गुजर कर नेपाल देश की सीमा तक जाती है।

अतः खगड़िया जिला अंतर्गत एन.एच. 107 महेशखुंट से देवघर (वाया अगवानी-सुल्तानगंज घाट) - 132 कि.मी. पथ निर्माण विभाग की पथ को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित कर गंगा नदी के अगवानी-सुल्तानगंज घाट पर पुल निर्माण किया जाए, जिससे झारखंड का उत्तर बिहार एवं नेपाल देश से सीधा संपर्क हो सके।